media coverage

Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' organised by the Indian National Theatre

"Hindustani classical vocalist Bhuvanesh Komkali's soulful vocal recital evoked the spirit of the monsoon, leaving the audience spellbound"

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

in association with

THE DURGA DAS FOUNDATION

cordially invites you to

वर्षा ऋतु संगीत संध्या
२०२६

Our monsoon celebration, honouring the legacy of our late patron, Shri Navjeevan Khosla.

ARTISTE:

BHUVANESH KOMKALI - VOCAL

ACCOMPANIED BY:

SHAMBHU NATH BHATTACHARJEE - TABLA
CHETAN NIGAM - HARMONIUM

COMPÈRE:
ATUL DUBEY

VINITA GUPTA (HON. SEC.)

ANIL NEHRU (PRESIDENT)

Saturday, August 9, 2026 at 6:30 PM
Newton Hall, Strawberry Fields High School, Sector 26, Chd

www.indiannationaltheatre.com

Bhuvanesh Komkali

Born into a rich legacy of music, Bhuvanesh Mukul Komkali was destined to be a singer. Surrounded by the sound of an incomparable vocalist tradition since conception, Bhuvanesh grew up with the rhythms and shifting weight of original compositions imbuing his senses. Even if he cared not to listen, the pulse could not be ignoredbecause it was in his blood.

Grandson of Pandit Kumar Gandharva, son of Mukul Shivputra, Bhuvanesh's musical journey began, unbeknownst to him,in infancy. Bhuvanesh's earliest memories are filled with the sounds of early morning practice, performances and recordings. An amazing repertoire made its way into the very cells of his being, even as he graduated from college with a commerce degree.

Bhuvanesh's musical quest continues today under the tutelage of Smt. Vasundhara Komkali and Shri Madhup Mudgal. Analytical environment and meditating over the different aspects of classical music boosted energy to bloom and glow his artistic personality.

Learning the rudiments of vocal music under such accomplished teachers has depended Bhuvanesh's appreciation for his forefathers' talents and renewed his commitment to preserve and extend his heritage. By following the values and philosophy established by Pandit Kumar Gandharva, Bhuvanesh proves his commitment and persistence for music through his singing.

He is currently engaged in enriching the archives of Pandit Kumar Gandharva's music using the latest in digital technology. Bhuvanesh has composed music for Hindi feature film 'Devi Ahilya' with Kathak dance. Bhuvanesh has performed successfully in almost all over India in reputed music festivals and has been highly appreciated by the well versed audience. He has been awarded with scholarship by cultural department of Government of India.

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

in association with

THE DURGA DAS FOUNDATION

presents

वर्षा ऋतु संगीत संध्या २०२६

Bhuvanesh Komkali

Born into a renowned musical legacy, Bhuvanesh Komkali grew up speaking the language of ragas. The grandson of the legendary Pandit Kumar Gandharva and son of Shri Mukul Shivputra, he carries the artistic heritage of the Gwalior gharana with quiet authority.

Under the tutelage of Smt. Vasundhara Komkali and Shri Madhup Mudgal, his performances are as commanding as they are rooted. Offstage, he is committed to digitising Panditji's vast music archives and serves as Secretary of the Kumar Gandharva Pratishthan in Dewas.

Saturday, August 9, 2026 at 6:30 PM
Newton Hall, Strawberry Fields High School, Sector 26, Chd

www.indiannationaltheatre.com

Maharudra

Maharudra

Maharudra

Pre Event Coverage

Tribune LifeStyle

The Tribune

Timeless tradition

Kumar Gandharva's grandson Bhuvanesh to perform in Chandigarh

Bhuvanesh Komkali grew up speaking the language of ragas. Born into one of India's most storied musical families, the grandson of the legendary Pandit Kumar Gandharva and son of Shri Mukul Shivputra, Komkali carries the artistic heritage of the Gwalior gharana with quiet authority.

Trained by Vasundhara Komkali and Madhup Mudgal, Komkali's performances are as commanding as they are rooted. Learning from such accomplished teachers, he says, has deepened his appreciation for his legacy and shaped his resolve to carry it forward.

This is especially visible in Komkali's efforts to preserve his musical inheritance by digitising Pandit Gandharva's music archives. He also serves as Secretary of the Kumar Gandharva Pratishthan in Dewas.

Komkali's artistic abilities have been widely recognised, earning him a scholarship from the cultural department of the Government of India, as well as the Shanmukhananda Shiromani Award (2009), the Mallikarjun Mansur Yuva Puraskar (2010), and the Sangeet Natak Akademi's Ustad Bismillah Khan Yuva Puraskar (2012).

Chandigarh audiences will get a chance to experience this legacy first hand today, when Komkali performs at Varsha Ritu Sangeet Sandhya, an annual monsoon concert hosted by the Indian National Theatre, Chandigarh, in association with the Durga Das Foundation. The concert is free and open to all music lovers.

Today at 6:30 pm at Newton Hall, Strawberry Fields High School, Sector 26, Chandigarh.

दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर | सिटी लाइफ

'वर्षा ऋतु संगीत संध्या में परफॉर्म करेंगे भुवनेश

चंडीगढ़ | 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इसे इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से करवाया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थिएटर के संस्थापक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को श्रद्धांजलि देना है। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली परफॉर्म करेंगे। वे भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े युवा और प्रतिभाशाली कलाकार हैं। उन्हें अपने दादा महान शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवपुत्र की संगीत विरासत का सान्निध्य मिला है। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया- संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। कार्यक्रम में भुवनेश कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर सुप्रसिद्ध तबला वादक शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। इसमें एंट्री फ्री।

अमर उजाला

आज के कार्यक्रम

भजन संध्या

गढ़वाल भवन - चंडीगढ़ सेक्टर 29 के गढ़वाल भवन में बाबा श्री गुरु माणिक नाथ सेवा समिति की ओर से एक शाम बाबा श्री गुरु माणिकनाथ जी के नाम भजन संध्या, दोपहर बाद 2 बजे

श्रीमद्भागवत कथा

ज्वाला माता मंदिर - सेक्टर 45 के ज्वाला माता मंदिर में श्री हरि सिमिरण सेवा समिति की ओर से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन। कथा व्यास आचार्य विवेक जोशी प्रवचन करेंगे, शाम 4.30 बजे से।

शास्त्रीय संगीत

स्ट्राबेरी फील्ड्स हाई स्कूल -सेक्टर 26 के स्ट्राबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से और दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026 का आयोजन। शाम 6.30 बजे।

ट्राइसिटी में खास

अमर उजाला

9 अगस्त को वर्षा ऋतु संगीत संध्या

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल थियेटर की ओर से दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से नौ अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबिरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2026 आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु का स्वागत करने के साथ इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे दिवंगत नवजीवन खोसला को श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

इंडियन नेशनल थियेटर के अध्यक्ष अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के युवा एवं ख्यातिप्राप्त गायक भुवनेश कोमकली प्रस्तुति देंगे। उनके साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। संवाद

पंजाब केसरी

Chandigarh Kesari
Aug 06, 2025
पंजाब केसरी

वर्षा ऋतु संगीत संध्या में गूंजेगा शास्त्रीय संगीत

चंडीगढ़, 5 अगस्त (पाल): शहर के संगीत प्रेमियों के लिए 9 अगस्त की शाम शास्त्रीय संगीत के नाम रहेगी। इंडियन नेशनल थियेटर (आई.एन.टी.) की ओर से दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का स्वागत करने के साथ इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को श्रद्धांजलि देना भी है।

आयोजकों के अनुसार, संगीत संध्या में शहरवासियों को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की बेहतरीन प्रस्तुति सुनने का अवसर मिलेगा। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम शाम 6:30 बजे शुरू होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के युवा और चर्चित गायक भुवनेश कोमकली प्रस्तुति देंगे। उनके साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर सुप्रसिद्ध तबला वादक शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे।

दैनिक जागरण

वर्षा ऋतु संगीत संध्या में शामिल होंगे शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली

दैनिक सवेरा टाइम्स

अंधेरे से उजाले की ओर

इंडियन नेशनल थियेटर का 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋ तु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को करेंगे मंत्रमुग्ध

सवेरा न्यूज/ राकेश

चंडीगढ़, 4 अगस्तः इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित एक स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋ तु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि संगीत संध्या का आयोजन शाम 6.30 बजे से होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। विनीता गुप्ता ने बताया कि भुवनेश कोमकली भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े युवा और प्रतिभाशाली कलाकार हैं। उन्हें अपने दादा महान शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवपुत्र की संगीत विरासत का सान्निध्य मिला है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा वसुंधरा कोमकली और प्रसिद्ध संगीतज्ञ मधुप मुद्गल से प्राप्त की, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि भुवनेश कोमकली अपनी साधना, स्वाध्याय और निरंतर रियाज के माध्यम से शास्त्रीय संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। वे पंडित कुमार गंधर्व के विचारों और संगीत मूल्यों को आत्मसात करते हुए अपनी गायकी में विभिन्न घरानों, लोक संगीत और समकालीन संगीत के तत्वों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हैं, जिससे उनकी प्रस्तुतियां श्रोताओं के लिए एक अनूठा संगीत अनुभव बन जाती हैं।

भुवनेश कोमकली, कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान, देवास के विश्वस्त सचिव हैं और आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पंडित कुमार गंधर्व की संगीत धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने हिंदी फीचर फिल्म देवी अहिल्या और कथक नृत्य के लिए भी संगीत तैयार किया है।

जग मार्ग

सुरों में सजेगी सावन की शाम, 9 अगस्त को गूंजेगी भुवनेश कोमकली की गायकी

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। इंडियन नेशनल थियेटर (आईएनटी) और दुर्गा दास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2026' का आयोजन किया जाएगा। वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाने के साथ-साथ आईएनटी के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के युवा और चर्चित गायक भुवनेश कोमकली अपनी प्रस्तुति देंगे। इंडियन नेशनल थियेटर के अध्यक्ष अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि संगीत संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। कार्यक्रम में भुवनेश कोमकली अपनी विशिष्ट गायकी के माध्यम से वर्षा ऋतु की भावभूमि पर आधारित रागों की प्रस्तुति देंगे।

हरियाणा न्यूज़ फ्लैश
Digital Edition
Thursday 6th August 2026 | website: https://haryananewsflash.com

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

चंडीगढ़ (हरियाणा न्यूज़ फ्लैश)

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि संगीत संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे।।विनीता गुप्ता ने बताया कि भुवनेश कोमकली भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े युवा और प्रतिभाशाली कलाकार हैं। उन्हें अपने दादा महान शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवपुत्र की संगीत विरासत का सान्निध्य मिला है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्रीमती वसुंधरा कोमकली और प्रसिद्ध संगीतज्ञ श्री मधुप मुद्गल से प्राप्त की, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि भुवनेश कोमकली अपनी साधना, स्वाध्याय और निरंतर रियाज के माध्यम से शास्त्रीय संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। वे पंडित कुमार गंधर्व के विचारों और संगीत मूल्यों को आत्मसात करते हुए अपनी गायकी में विभिन्न घरानों, लोक संगीत और समकालीन संगीत के तत्वों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हैं, जिससे उनकी प्रस्तुतियां श्रोताओं के लिए एक अनूठा संगीत अनुभव बन जाती हैं।.भुवनेश कोमकली, कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान, देवास के सक्रिय सचिव हैं और आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पंडित कुमार गंधर्व की संगीत धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने हिंदी फीचर फिल्म 'देवी अहिल्या' और कथक नृत्य के लिए भी संगीत तैयार किया है। देश के अनेक प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में उनकी प्रस्तुतियों को संगीत प्रेमियों और विद्वानों ने खूब सराहा है। उन्हें भारत सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा छात्रवृत्ति सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भुवनेश कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर सुप्रसिद्ध तबला वादक शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' में सभी संगीत प्रेमियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

दिव्य भारत

पंचकूला,चंडीगढ़, मोहाली

Divya Bharat News

बृहस्पतिवार, दिनांक 6 अगस्त 2026,चंडीगढ़/पंचकूला से एक साथ प्रसारित,RN.SRN.AA5901109

Siddhi Anuvadak

English to Hindi & Punjabi Translation services

Impact Media PR™

Image Management

Value for money

Public Relations Services

Press Releases, Press Conferences

Excellent Packages available for Big & Small Event

Contact for more details:

Sohan Rawat

MD, Founder

Mobile: +91 9855174539, 9041448901

Visit: http://impactmediaprimagemanagement.blogspot.in/

कर आशीर्वाद लिया। नगर कीर्तन की अगवाई कर रहे पांच प्यारों को हार डालकर वाहेगुरु जी की फतेह बुलाई। नगर कीर्तन दोपहर 2 बजे गुरुद्वारा साहिब, सेक्टर-46 से आरंभ हुआ और सेक्टर 46 की मार्केट के बाद सेक्टर-47, 48, 49, 50 की विभिन्न सोसायटियों और गांव बुड़ैल से होकर गुजरते हुए शाम 8 बजे सेक्टर-34 स्थित गुरुद्वारा

इस मौके पर श्री सनातन धर्म मंदिर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र भाटिया और मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 46 के अध्यक्ष बलविंदर सिंह उत्तम ने नगर कीर्तन का स्वागत करते हुए सभी के स्वास्थ्य और विश्व शांति के लिए अरदास की। इस मौके पर संगत को खीर-पूड़े का प्रसाद भी बांटा गया।

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी): इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि संगीत संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। विनीता गुप्ता ने बताया कि भुवनेश कोमकली भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े युवा और प्रतिभाशाली कलाकार हैं। उन्हें अपने दादा महान शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवपुत्र की संगीत विरासत का सान्निध्य मिला है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्रीमती वसुंधरा कोमकली और प्रसिद्ध संगीतज्ञ श्री मधुप मुद्गल से प्राप्त की, जो आज भी निरंतर जारी है।

जन विशेष

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

चंडीगढ़ (जन विशेष न्यूज़)। इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संस्थापक रहे स्वर्गीय राजेश्वर खोसला को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि संगीत संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। विनीता गुप्ता ने

बताया कि भुवनेश कोमकली भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े युवा और प्रतिभाशाली कलाकार हैं।

उन्हें अपने दादा महान शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवपुत्र की संगीत विरासत का सान्निध्य मिला है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्रीमती कलापिनी कोमकली और प्रसिद्ध संगीतज्ञ मधुप मुद्गल से प्राप्त की, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि भुवनेश कोमकली अपनी साधना, स्वाध्याय और निरंतर रियाज के माध्यम से शास्त्रीय संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

वे पंडित कुमार गंधर्व के विचारों और संगीत मूल्यों को आत्मसात करते हुए अपनी गायकी में विभिन्न घरानों, लोक संगीत और समकालीन संगीत के तत्वों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हैं, जिससे उनकी प्रस्तुतियां श्रोताओं के लिए एक अनूठा संगीत अनुभव बन जाती हैं।

भुवनेश कोमकली, कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान, देवास के सक्रिय सचिव हैं और आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पंडित कुमार गंधर्व की संगीत धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

ट्राई सिटी न्यूज़ लाईन

हिंदी समाचार पत्र

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

ट्राई सिटी न्यूज़ लाईन/ब्यूरो

चंडीगढ़। इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत संध्या 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस संध्या का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संस्थापक रहे स्वर्गीय … को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि संगीत संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा।

इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

विनीता गुप्ता ने बताया कि भुवनेश कोमकली भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जुड़े युवा और प्रतिभाशाली कलाकार हैं। उन्हें अपने दादा महान शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवपुत्र से संगीत विरासत का सानिध्य मिला है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्रीमती वसुंधरा कोमकली और प्रसिद्ध संगीतज्ञ श्री मधुप मुद्गल से प्राप्त की, जो आज भी निरंतर जारी है।

उन्होंने बताया कि भुवनेश कोमकली अपनी साधना, स्वाध्याय और निरंतर रियाज़ के माध्यम से शास्त्रीय संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। वे पंडित कुमार गंधर्व के सिद्धांतों और संगीत मूल्यों को आत्मसात करते हुए अपनी गायकी में विभिन्न घरानों, लोक संगीत और समकालीन संगीत के तत्वों का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करते हैं, जिससे उनकी प्रस्तुतियां श्रोताओं के लिए एक अनूठा संगीत अनुभव बन जाती हैं।

भुवनेश कोमकली, कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान, देवास के सक्रिय सचिव हैं और आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पंडित कुमार गंधर्व की संगीत धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने हिंदी फीचर फिल्म 'देवी अहिल्या' और कथक नृत्य के लिए भी संगीत तैयार किया है। देश के अनेक प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में उनकी प्रस्तुतियों को संगीत प्रेमियों और विद्वानों ने खूब सराहा है। उन्हें भारत सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा छात्रवृत्ति सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भुवनेश कोमकली के साथ हारमोनियम पर पंडित विनय जोशी और तबले पर सुप्रसिद्ध तबला वादक शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' में सभी संगीत प्रेमियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

Post Event Coverage and Media Interaction

Tribune LifeStyle

The Tribune

Carrying forward a legacy...

An inherited legacy becomes a lifelong journey of discovery for Bhuvanesh Komkali

[illegible]

The same raga rendered by different stalwarts can sound absolutely fresh for each has freedom to express it the way he/she wants

city life

दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर सिटी लाइफ 09-08-2026

गुरु अगर सख्त हैं तो मान लीजिए वे आपसे बहुत प्रेम करते हैं

ONE TO ONE

आज स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल में आयोजित शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या' में भुवनेश कोमकली परफॉर्म करेंगे। समय शाम 6:30 बजे, एंट्री फ्री।

इसमें कोई संदेह नहीं कि वे जीनियस हैं

पंजाब केसरी

Chandigarh Kesari
Aug 09, 2026
पंजाब केसरी

प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली की प्रस्तुति आज

चंडीगढ़, 8 अगस्त (पाल): इंडियन नैशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाऊंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सैक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नैशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है। संगीत संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से होगा। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध गायक भुवनेश कोमकली अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

The Tribune

Musical evening

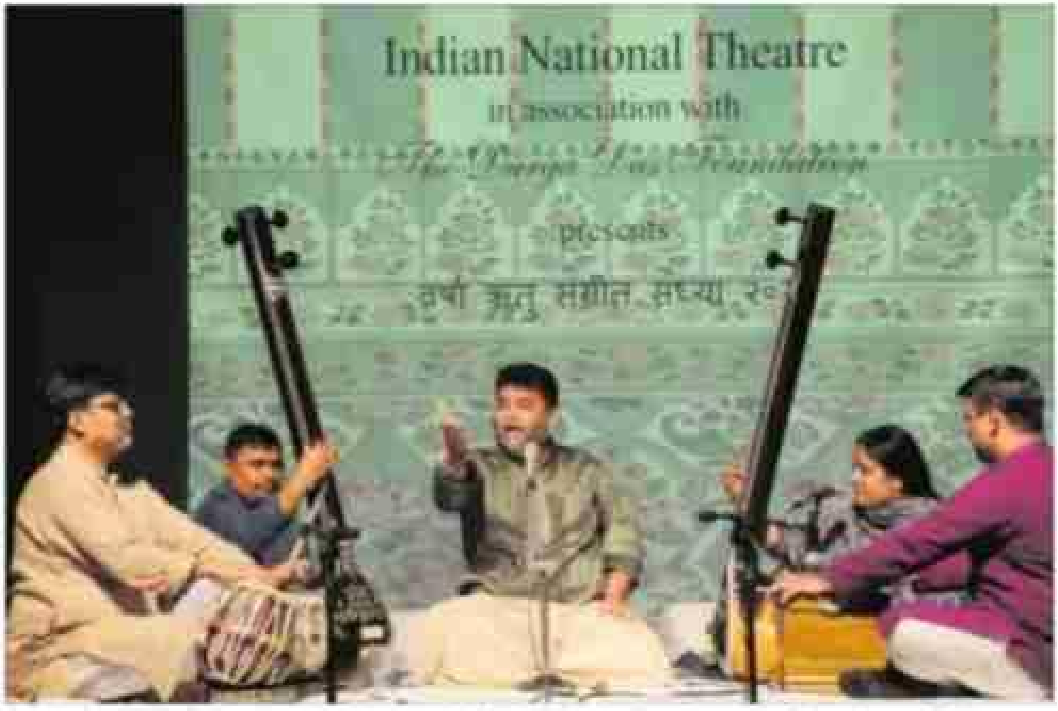

Hindustani classical vocalist Bhuvanesh Mukul Komkali performs at Strawberry Fields School in Sector 26, Chandigarh, on Sunday. TRIBUNE PHOTO: VICKY

citylife
दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर सिटी लाइफ 12-08-2026

Musical Performance

'ऋतु आई बोले मोरा रे'

चंडीगढ़ | मॉनसून की फुहारों और शास्त्रीय सुरों का खूबसूरत संगम देखने को मिला सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के ऑडिटोरियम में। यहां इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया गया। दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से हुए कार्यक्रम में हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली ने परफॉर्म किया। उन्होंने प्रस्तुति की शुरुआत 'करीम नाम तेरो' से की। इसके बाद 'सावन झरियो' प्रस्तुत किया, जिसकी रचना उनके दादा पंडित कुमार गंधर्व ने की थी। राग गौड़ मल्हार में 'झुकी आई बदरिया सावन की', 'मैं कैसे आऊं बलमा', 'मेघा को ऋतु आयो रे' भी सुनाया। इसके अलावा उन्होंने लोकगीत 'डाल रे बादल बीच', लोक भजन 'ऋतु आई बोले मोरा रे', 'गगन घटा गहराई' पेश किया। भुवनेश कोमकली एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय कलाकार हैं। उन्हें अपने दादा, महान संगीतज्ञ पंडित कुमार गंधर्व, और पिता मुकुल शिवपुत्र से संगीत की विरासत मिली है। उन्होंने संगीत की शुरुआती शिक्षा वसुंधरा कोमकली और संगीतज्ञ मधुप मुद्गल से प्राप्त की। वे आज भी उनके मार्गदर्शन में अपनी कला को लगातार निखार रहे हैं। उनके साथ चेतन निगम ने हारमोनियम पर और तबला नवाज शंभूनाथ भट्टाचार्य ने तबले पर संगत की। कार्यक्रम का संचालन अतुल दुबे ने किया।

अमर उजाला

अमर उजाला

Chandigarh city

10-08-2026

भुवनेश की भावपूर्ण गायकी से सजी वर्षा ऋतु संगीत संध्या

सेक्टर-26 में वर्षा ऋतु संगीत संध्या कार्यक्रम में प्रस्तुति देते भुवनेश कोमकली। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में रविवार को वर्षा ऋतु संगीत संध्या का आयोजन हुआ। यह आयोजन इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से हुआ। संगीत संध्या में शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली ने अपनी भावपूर्ण दी। भुवनेश कोमकली ने कार्यक्रम की शुरुआत राग मियां मल्हार में विलंबित एकताल के पारंपरिक खयाल करीम नाम तेरो से की।

इसके बाद इसी राग में उनके दादा पंडित कुमार गंधर्व की रचना सावन झरियो प्रस्तुत कर वर्षा ऋतु के उल्लास को स्वर दिया। राग गौड़ मल्हार में झुकी आई बदरिया सावन की ने वातावरण को और संगीतमय बना दिया। उन्होंने राग पीलू खमाज में ठुमरी मैं कैसे आऊं बलमा और राग जलधर केदार में मेघा को ऋतु आयो रे प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी

Chandigarh Kesari

Aug 10, 2026

पंजाब केसरी

भुवनेश कोमकली की मल्हार गायकी से सजी वर्षा ऋतु संगीत संध्या

मियां मल्हार से निर्गुणी भैरवी तक शास्त्रीय सुरों में डूबे श्रोता, दिवंगत नवजीवन खोसला को दी संगीतमय श्रद्धांजलि

चंडीगढ़, 9 अगस्त (पाल): मानसून की फुहारों और वर्षा ऋतु की खूबसूरती को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के सुरों में पिरोया गया। इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल में 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या' का आयोजन किया गया।

प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक भुवनेश कोमकली ने अपनी भावपूर्ण गायकी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसून का स्वागत करने के साथ इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक रहे दिवंगत नवजीवन खोसला को संगीत के माध्यम से श्रद्धांजलि देना भी था।

इंडियन नेशनल थिएटर के अध्यक्ष अनिल नेहरू और मानद सचिव विनीता गुप्ता ने कहा कि संगीत के माध्यम से उन्हें याद करना संस्था के लिए भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। भुवनेश कोमकली ने प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। उन्होंने विलंबित एकताल में पारंपरिक ख्याल 'करीम नाम तेरो' प्रस्तुत किया। इसके बाद इसी राग में द्रुत बंदिश 'सावन झरियो' सुनाई, जिसकी रचना उनके दादा और प्रसिद्ध संगीतज्ञ पंडित कुमार गंधर्व ने की थी। इसके बाद राग गौड़ मल्हार में 'झुकी आई बदरिया सावन की' और राग पीलू खमाज में ठुमरी 'मैं कैसे आऊं बालमा' पेश की। राग जलधर केदार में 'मेघा को ऋतु आयो रे' ने वर्षा ऋतु के माहौल को और संगीतमय बना दिया।

शास्त्रीय संगीत में लोक रंग भी घोला

भुवनेश कोमकली ने शास्त्रीय प्रस्तुतियों के साथ लोक संगीत का रंग भी दिखाया। उन्होंने लोकगीत 'डाल रे बादल बीच' और लोक भजन 'ऋतु आई बोले मोरा रे' प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों में शास्त्रीय संगीत की बारीकियों के साथ लोक संगीत की सहजता का सुंदर मेल देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन राग निर्गुणी भैरवी में कबीर के भजन 'गगन घटा गहराई' से हुआ। आध्यात्मिक भाव से ओतप्रोत इस प्रस्तुति ने श्रोताओं को शांति और आत्मिक आनंद का अनुभव कराया और इसे खूब सराहा गया।

भुवनेश कोमकली को संगीत की विरासत अपने दादा पंडित कुमार गंधर्व और पिता मुकुल शिवपुत्र से मिली है। उन्होंने प्रारंभिक संगीत शिक्षा वसुंधरा कोमकली और प्रसिद्ध संगीतज्ञ मधुप मुद्गल से प्राप्त की। वह लगातार अपने संगीत को निखार रहे हैं। कार्यक्रम में चेतन निगम ने हारमोनियम और शंभूनाथ भट्टाचार्य ने तबले पर संगत की। दोनों की संगत ने भुवनेश की गायकी को और प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम का संचालन अतुल दुबे ने किया।

दैनिक जागरण

सिटी

स्पंदन

बदलवा मचाए शोर, बूंदे बरसन लागी...

झुकी आई बदरिया सावन

दैनिक सवेरा टाइम्स

इंडियन नैशनल थिएटर का 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' हुई शुरू

गायक भुवनेश कोमकली की भावपूर्ण गायकी ने किया श्रोता मंत्रमुग्ध

[illegible]

Bharat News Network

संस्कृति विभाग द्वारा छात्रवृत्ति सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भुवनेश कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर सुप्रसिद्ध तबला वादक शंभूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' में सभी संगीत प्रेमियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

Like Comment Share

Sohan Rawat

Indian National Theatre to host 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' on Aug-9

Renowned Hindustani Classical Vocalist Bhuvanesh Komkali to Enthrall Music Lovers in Chandigarh: Indian National Theatre, in collaboration with Durga Das Foundation, will organise a classical music programme—Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026 on August 9 at the auditorium of Strawberry Fields High School, Chandigarh. The event celebrates the arrival of the monsoon season and pays homage to INT's late patron, Shri Rajeshwar Khosla.

Indian National Theatre President Anil Nehru and Honorary Secretary Vinita Gupta said that the musical evening will commence at 6:30 pm with Renowned Hindustani classical vocalist Bhuvanesh Komkali's soulful and evocative performance.

Vinita Gupta stated that Bhuvanesh Komkali is a gifted young artist who belongs to the rich tradition of Indian classical music. He has inherited the musical legacy of his grandfather, the legendary Pandit Kumar Gandharva, and his father, Mukul Shivputra. He received his initial training from Smt. Vasundhara Komkali and eminent musician Shri Madhup Mudgal, and continues to refine his art under their guidance.

She added that through dedicated practice, self-study and rigorous training, Bhuvanesh Komkali is carrying forward the rich tradition of Hindustani classical music. Inspired by the musical philosophy and values of Pandit Kumar Gandharva, he beautifully blends the essence of various gharanas, folk traditions and contemporary musical elements, creating a unique and enriching experience for audiences.

Bhuvanesh Komkali is the Secretary of the Kumar Gandharva

CHANDIGARH
Clear Sky
30.8 °C
37° 35° 34° 33° 31°

FOLLOW US

Follow us on Google News

RECENT POSTS

Ramayana Trailer is Trending: Ranbir Kapoor & Yash's Battle Gets Fans Talking

Scam 2010: Siddharth Bodke as Subrata Roy First Look Revealed

Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' organised by the Indian National Theatre

Navistar Finance on enabling India's next generation of entrepreneurs through responsible finance

The Great Indian Food Trail: Regional Recipes That Deserve a Place on Every Table

Oxtail Recipe Note – Ada Pradhanan

A Golden Milestone for Trident's Rinki Yadav at 11th Indo-Nepal Championship 2026

Tiranga reflects brave soldiers' Sacrifices, hard work of farmers & dreams of Youth: CM

Army Chief General Dhiraj Seth Calls on Haryana CM, Discusses Civil-Military Synergy, Ex-Servicemen Welfare

Army Chief General Dhiraj Seth calls on Punjab Governor Gulab Chand Kataria

Indian National Theatre to host 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' on Aug-9

Indian National Theatre, in collaboration with Durga Das Foundation, will organise a classical music programme – Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026 on August 9 at the auditorium of Strawberry Fields High School, Sector 26, Chandigarh. The event celebrates the arrival of the monsoon season and pays homage to INT's late patron, Shri [illegible].

Indian National Theatre President Anil Nehru and Honorary Secretary Vinita Gupta said that the musical evening will commence at 6:30 pm with Renowned Hindustani classical vocalist Bhuvanesh Komkali's soulful and evocative performance.

Latest article

UNLOCK 4.0 - DAY 2173

CORONAVIRUS INDIA

TOTAL CASES	ACTIVE CASES	RECOVERED	DEATHS
15616130	2157538	13276039	182553

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन.....

Listen to this

चंडीगढ़, 5 अगस्त, 2026: इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से 9 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

About us Contact Us Disclaimer Privacy Policy Terms & Conditions

सिटीउदय

Advertisement
Click here

इंडियन नेशनल थियेटर द्वारा 9 अगस्त को होगा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2026' का आयोजन

Bhuvanesh Komkali: Carrying forward Kumar Gandharva's legacy through tradition and innovation

NONIKA SINGH

Grandson of legendary Kumar Gandharva, you would expect gifted classical vocalist Bhuvanesh Komkali to share musical wisdom at the drop of the hat. In Chandigarh, at the invitation of Indian National Theatre for a delightful and soulful concert on Sunday evening, he makes us privy to a journey which only a fortunate few like him have access to. Yet what he proffers are not homilies but profound insights. Much is revealed and much is unsaid, open for us to decipher. For the life lessons he has imbibed from his grandfather or his father, musical genius Mukul Shivputra or his equally talented guru Madhup Mudgal are not easy to decode.

Born in a musical atmosphere, the mellifluous singer can't pinpoint the exact moment when music came into his life. Music was a given not only as a practice but of chintan manan, deep research. He can't say when he woke up to his grandfather's greatness

Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' organised by the Indian National Theatre

Join us @Telegram

Renowned Hindustani classical vocalist Bhuvanesh Komkali captivated audiences with a powerful and deeply expressive performance at 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026', organised by Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das Foundation.

The musical evening took place in the auditorium of Strawberry Fields High School, Sector 26, celebrating the arrival of the monsoon through the rich tradition of Hindustani classical music.

The event was organized not only to celebrate the arrival of the monsoon but also to pay tribute to the late Navjeevan Khosla, patron of the Indian National Theatre, a befitting homage through music that speaks directly to the soul, said Anil Nehru, President of the Indian National Theatre and Vinita Gupta, Honorary Secretary.

Renowned classical vocalist Bhuvanesh Komkali commenced his captivating performance with "Karim naam tero," a traditional khayal in vilambit Ek Taal in Raag Miyan Malhar.

He followed with a lively drut bandish, "Saavan jhariyo," composed by his grandfather, Pt. Kumar Gandharva, in the same raag. Then, in continuation with the monsoon theme, came "Jhuki aai badariya saavan ki," a traditional bandish in madhya laya Teen Taal, in Raag Gaud Malhar."

Taking the musical narrative forward, he presented a soul-stirring thumri in Raag Pilu Khamaj, 'Main kaise aaun balma,' followed by 'Megha ko ritu aayo re' in Raag Jaladhar Kedar, both of which beautifully captured the essence of the season and enveloped the audience in a wave of emotions."

CHANDIGARH

Clear Sky

30.8 °C

37° 35° 34° 33° 31°

FOLLOW US

RECENT POSTS

- Ramayana Trailer Is Trending: Ranbir Kapoor & Yash's Battle Gets Fans Talking
- Scam 2010: Siddharth Bodke as Subrata Roy, First Look Revealed
- Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2026' organised by the Indian National Theatre
- Namdev Finvest on enabling India's next generation of entrepreneurs through responsible finance
- The Great Indian Food Trail: Regional Recipes That Deserve a Place on Every Table
- Onam Recipe Note – Ada Pradhaman
- A Golden Milestone for Trident's Rinki Yadav at 11th Indo-Nepal Championship 2026
- Tiranga effects brave Soldiers' Sacrifices, hard work of farmers & dreams of Youth: CM
- Army Chief General Dhiraj Seth Calls on Haryana CM, Discusses Civil-Military Synergy, Ex-Servicemen Welfare
- Army Chief General Dhiraj Seth calls on Punjab Governor Gulab Chand Kataria

Online Media Coverage

https://www.facebook.com/share/p/18jhLgvaGw/ *Like & Share*

https://www.chandigarhcitynews.com/indian-national-theatre-to-host-varsha-ritu-sangeet-sandhya-2026-on-aug-9/

https://g7newz.com/indian-national-theatre-to-host-varsha-ritu-sangeet-sandhya-2026-on-aug-9/

http://indianews24x7live.com/16860/

https://cityuday.com/indian-national-theatre-to-organise-varsha-ritu-musical-evening-2026-on-9th-august/

https://www.tribuneindia.com/news/lifestyle/bhuvanesh-komkali-carrying-forward-kumar-gandharvas-legacy-through-tradition-and-innovation/ Bhuvanesh Komkali: Carrying forward Kumar Gandharva's legacy through tradition and innovation

https://www.chandigarhcitynews.com/varsha-ritu-sangeet-sandhya-2026-organised-by-the-indian-national-theatre/

Impact Media PR™
Image Management

Impact Media PR-*Image Management*™
ISO 9001:2015 Registration & Certificate Number: QMS2024F85M744888641
Contact : +91 9041448901
sohan.rawat1295@gmail.com